विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों, हम सभी जानते हैं कि आज पूरा देश जल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से जूझ रहा है। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि, मनुष्य का सुख-चैन लूट रही हैं। एक क्षेत्र में जहां पानी के लिए घोर संघर्ष करना पड़ रहा है वहीं दूसरे क्षेत्र में अत्यधिक बारिश, बादल फटने और कतिपय अन्य कारणों से बाढ़ का संकट पैदा हो गया है। इन तमाम विषमताओं के बीच हमें जो जल पीने के लिए मिलता है उसकी गुणवत्ता का भी कोई भरोसा नहीं है। जल से जुड़े इन्हीं सब तथ्यों को ध्यान में रखकर हमारे संस्थान ने वर्ष 2011 से अपनी इस तकनीकी पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ किया है और तब से यह पत्रिका निरंतर छमाही आधार पर प्रकाशित की जा रही है।

आपको यह जानकर सुखद आश्चर्य होगा कि जब से हमारे संस्थान ने हिन्दी में अपनी इस तकनीकी पत्रिका "जल चेतना" को प्रकाशित करने का कार्य किया है, तभी से हमारे पास बहुसंख्य प्रबुद्ध पाठकों के प्रशंसा पत्र, फोन तथा ईमेल आ चुके हैं और कई पाठकों ने तो अपनी स्थानीय समस्याओं के बारे में लिखकर उनका समाधान जानने के लिए अनुरोध भी किया है। इन्हीं समस्याओं के बारे में सुनकर हमें पूरे देश में दिनों-दिन बढ़ रहे जल संकट के संबंध में जानकारी मिलती है। हमारा ध्यान इन समस्याओं पर केन्द्रित है तथा हमारे वैज्ञानिक पूरी एकाग्रता और समर्पण भाव से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। पाठकों की सकारात्मक प्रतिक्रियाओं एवं उपयोगी सुझावों से ही राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान को अपनी इस तकनीकी पत्रिका "जल चेतना" को नियमित रूप से प्रकाशित करने का हौसला मिलता है जिसके माध्यम से सभी क्षेत्रों से जल एवं जल से संबंधित सुसंगत सामग्री का चयन कर एक आम आदमी की जानकारी बढ़ाने का प्रयास किया जाता है।

इस पत्रिका के अन्तर्गत तकनीकी लेखों के अतिरिक्त लघु लेख, कविता, प्रश्नोत्तरी, शिक्षा एवं रोजगार जैसे सन्दर्भो को भी समुचित स्थान दिया जाता है।

संस्थान का अपने सामान्य कामकाज के साथ-साथ जल जैसे महत्वपूर्ण विषय से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को हिन्दी भाषा के माध्यम से इस पत्रिका के जरिए जन मानस तक पहुंचाने का यह एक विशिष्ट प्रयास है। किसी भी पत्रिका की श्रीवृद्धि एवं सफलता में सुधी पाठकों की प्रतिक्रियाएं एवं सुझावों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अतः समस्त पाठकों से उनकी प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों की अपेक्षा है ताकि पत्रिका को और भी आकर्षक एवं रोचक बनाने में सहायता मिल सके।

हम आपसे विशेष रूप से आग्रह करते हैं कि आप सूचना प्रौद्योगिकी, नैनो टेक्नोलॉजी, जैवप्रौद्योगिकी तथा चिकित्सा विज्ञान के साथ-साथ भौतिक एवं रसायन विज्ञान में भी जल के उपयोग सम्बन्धित उपलब्धियों को केन्द्र बिन्दु बनाते हुए अपने लेख भेजने का कष्ट करें। हम उन सभी लेखकों के आभारी होंगे जो अपने लेख यूनिकोड प्रणाली या कृतिदेव-10 फॉन्ट में पेज मेकर (6.5 या 7.0) अथवा माइक्रोसॉफ्ट वर्ल्ड का प्रयोग करते हुए प्रकाशन हेतु हमें भेजने का कष्ट करेंगे। लेख अगर तथ्यों पर आधारित हो और रंगीन चित्रों से सुसज्जित हो तो अधिक लोकप्रिय हो सकेगा।

हम जानते हैं कि इस पत्रिका को और भी बेहतर तथा आकर्षक बनाना विद्वत लेखकों पर निर्भर है। हम विशेषज्ञता प्राप्त चिकित्सक, इंजीनियर, स्कूल कॉलेजों के अनुभवी अध्यापक और विश्वविद्यालयों के कर्मठ प्रोफेसर तथा अनुसंधानकर्त्ताओं से निवेदन करते हैं कि आप इस पत्रिका से किसी न किसी रूप में अवश्य जुड़ें और समय-समय पर प्रकाशन हेतु उत्कृष्ट एवं जनोपयोगी सामग्री रंगीन एवं आकर्षक चित्रों सहित हमें भेजते रहें ताकि उसे और अधिक आकर्षक रूप देते हुए हम शीघ्रातिशीघ्र प्रकाशित कर सकें।

हमारा यह भी अनुरोध है कि किसी भी रचना को लिखने का कार्य प्रारंभ करने से पहले सुनिश्चित कर लें कि यह आपकी मौलिक रचना है और आसान भाषा में तथ्यों के आधार पर लिखी गई है। किसी भी केस स्टडी पर लेख लिखते समय आवश्यक है कि उस स्थान के बारे में फोटो/संदर्भ सहित संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी जाए। राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान द्वारा पत्रिका में छपे लेखों के प्रबुद्ध लेखकों को निर्धारित दरों से भुगतान विज्ञान प्रगति की तर्ज पर ही करने का प्रावधान है।

लेख भेजते समय अपना संपर्क सूत्र, ईमेल एड्रस, फोन नं. एवं स्वयं का पासपोर्ट साइज़ फोटोग्राफ अवश्य भेजें। कृपया कविता/लेख भेजते समय यह भी सुनिश्चित कर लें कि इसकी विषय-वस्तु कम से कम दो पेज की अवश्य हो अन्यथा दो-तीन कविताओं को मिलाकर भी रचना के रूप में भेजा जा सकता है तथा साथ ही अपने लेख से संबंधित कम से कम 10 फोटोग्रॉफ (हाई रिज़ोल्यूशन) उसके अनुशीर्षक (कैप्शन) सहित अवश्य भेजें।

सभी लेखकों से विनम्र अनुरोध है कि वे अपने बैंक एकाउंट की जानकारी निम्नानुसार देने का कष्ट करें ताकि भुगतान राशि को सीधे लेखक के एकाउंट में भेजा जा सके।

बैंक एकाउंट विवरण :
बैंक का नाम एवं शाखा -
खाता संख्या -
IFSC- कोड -
बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की फोटो कॉपी -

डॉ. रमा मेहता
सम्पादक, जल चेतना
वैज्ञानिक एवं राजभाषा प्रभारी
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
रुड़की-247667, जिला-हरिद्वार
(उत्तराखण्ड)
[Email : jalchetna44@gmail.com
दूरभाष : 01332-249228]